https://www.pdusuonline.com

परीक्षा प्रश्न-पत्र 2018

B.COM. (Part-II)
BUSINESS ADMINISTRATION
First Paper : Company Law and Secretarial Practice
कम्पनी अधिनियम एवं सचिवीय पद्धति

Time : Three Hours Maximum Marks : 100

इकाई-I

1. "कम्पनी एक कृत्रिम व्यक्ति है जिसका निर्माण कानून द्वारा किया जाता है, यह एक पृथक् अस्तित्व रखती है, इसे अविच्छिन्न उत्तराधिकार प्राप्त है तथा इसकी एक सार्वमुद्रा होती है।" इस कथन की व्याख्या कीजिए तथा कम्पनी की विशेषताएँ बताइए।

(अथवा)

एक निजी कम्पनी को परिभाषित कीजिए। एक निजी कम्पनी के विशेषाधिकारों और छूटों का वर्णन कीजिए।

इकाई-II

2. एक कम्पनी प्रवर्तक का क्या अर्थ है? उसके कर्त्तव्यों और दायित्वों की पूर्ण रूप से विवेचना कीजिए।

(अथवा)

पार्षद सीमानियम एवं अन्तर्नियमों में अन्तर बताइये। इस सम्बन्ध में 'आन्तरिक प्रबन्ध' के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

इकाई-III

3. प्रविवरण क्या है? प्रविवरण में मिथ्याकथन या कपटमय विवरण के क्या परिणाम होते हैं?

(अथवा)

ऋणपत्र क्या है? ऋणपत्रों के निर्गमन सम्बन्धी कानूनी प्रावधानों का वर्णन कीजिए।

इकाई-IV

4. एक कम्पनी में संचालकों की नियुक्ति की विधियों का वर्णन कीजिए।

(अथवा)

प्रतिपुरुष के सम्बन्ध में वैधानिक व्यवस्थाओं तथा सचिवीय व्यवहार की व्याख्या कीजिए।

इकाई-V

5. "कम्पनी सचिव की स्थिति वैसी ही है जैसे किसी साइकिल के पहिये में धुरी की।" इस कथन की विवेचना कीजिए।

(अथवा)

प्रतिभूतियों के अन्तरण और पारेषण में भेद बताइये। इन दोनों स्थितियों में सचिव के कर्त्तव्य और इसकी कार्यविधि क्या होती है?

❑❑❑

https://www.pdusuonline.com

https://www.pdusuonline.com

https://www.pdusuonline.com